भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

विषय: अंतरिक्ष विभाग का दिसंबर, 2018 माह के लिए मासिक सार

<u>भाग-I (अवर्गीकृत)</u>

1. माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और मुख्य उपलब्धियां,

क. उपग्रह मिशन:

I. जीसैट-11 मिशन:

जीसैट-11 उन्नत संचार उपग्रह को एरियान-5 VA.-246 द्वारा कौरु प्रमोचन मंच, फ्रेंच गियाना से दिनांक 05 दिसंबर, 2018 को सफलतापूर्वक प्रमोचित किया गया था।

II. जी.एस.एल.वी.-एफ11/ जीसैट-7ए मिशन:

जी.एस.एल.वी.-एफ11 ने सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, शार, श्रीहरिकोटा से 19 दिसंबर, 2018 को जीसैट-7ए संचार उपग्रह को सफलतापूर्वक प्रमोचित किया।

III. पी.एस.एल.वी. सी44/ माइक्रोसैट-आर. मिशन:

राकेट समेकन गतिविधियां चल रही हैं। माइक्रोसैट-आर. एक परीक्षणात्मक उपग्रह है। नोदन समेकन गतिविधियां चल रही हैं। जनवरी 2019 के अंतिम सप्ताह में प्रमोचन की योजना बनाई गई है।

IV. जी.एस.एल.वी.-मार्क III एम.1 / चंद्रयान-2 मिशन:

जी.एस.एल.वी.-मार्क III एम.1, स्वदेशी लैंडर (विक्रम), रोवर (प्रज्ञान) एवं कक्षित्र माड्यूलों सहित चंद्रमा के लिए भारत के द्वितीय मिशन, चंद्रयान-2 का वहन करेगा। इन माड्यूलों का समुच्चयन, समेकन एवं जांच कार्य चल रहा है। एल.110 चरण को एस.डी.एस.सी. शार में स्थापित कर दिया गया है और सी.25 चरण को एस.डी.एस.सी. शार भेज दिया गया है। वर्ष 2019 की प्रथम तिमाही में इसके प्रमोचन की योजना बनाई गई है।

V. जीसैट-31:

जीसैट-31, संचार उपग्रह को फ्रेंच गियाना से खरीदे गए प्रमोचित्र द्वारा प्रमोचित करने की योजना है। अंतरिक्षयान का वर्ष 2019 की प्रथम तिमाही में प्रमोचन निर्धारित किया गया है।

ख. भू प्रेक्षण:

क्र.सं.	परियोजना/कार्यक्रम	इस माह में प्राप्त की गई	संचयी उपलब्धियां
1	भू-मनरेगा (गतिविधियों/ संपदा के जियोटैग्स)	**जियोटैग्स की संख्या**	
		चरण-। में 5 लाख (स्वीकृत) चरण-।। में 0.96 लाख	चरण-। में 3.33 लाख चरण-। में 3.96 लाख
2	आई.डब्ल्यू.एम.पी.- 86,000 माइक्रो-जलसंभरण विकास अंत:क्षेप के जियोटैग्स	**जियोटैग्स की संख्या तथा उसकी प्रभाव रिपोर्ट**	
		0.10 लाख प्रभाव निर्धारण की 300 रिपोर्टें मूल्यांकन के अधीन है	9.78 लाख 600 प्रभाव निर्धारण रिपोर्ट
3	सभी के लिए आवास (शहरी) (लाभार्थी आवास के निर्माण का मानीटरन)	**जियोटैग्स किए गए घरों की संख्या**	
		3.12 लाख	38.97 लाख
4	अमृत कार्यक्रम (मुख्य योजना तैयार करने के लिए शहरी भूआकाशीय आंकड़े)	अति उच्च विभेदन आंकड़ा: 34 शहर ऑर्थो-प्रतिबिंब: 9 शहर भू-आकाशीय आंकडा-आधार: 41 जारी	170 शहर 91 शहर 19 शहर

I. हाइसिस मिशन से अतिस्पेक्ट्रमी आंकड़े का मूल्यांकन

- हाइसिस से वी.एन.आई.आर. एवं एस.डब्ल्यू.आई.आर. उत्पादों का गुणवत्ता मूल्यांकन 05 दिसंबर, 2018 से पूरा किया जा रहा है। भू-गणितीय परिशुद्धता, लक्ष्य परिशुद्धता एवं गतिक रेंज को भारतीय क्षेत्र में दृश्यों हेतु मूल्यांकित किया गया है। मरुस्थल की रेत एवं बर्फ पर रेडियोमापी प्रतिक्रिया का मूल्यांकन किया गया था।

II. भू उपयोग/ भू आवरण (23मी विभेदन, तीसरा चक्र)

- उपग्रह आंकड़ा स्पष्टीकरण को राष्ट्रीय स्तर पर पूरा कर लिया गया है। 95% क्षेत्र के लिए पश्च-गुणवत्ता जांच सुधार पूरे कर लिए गए हैं।

III. भू उपयोग/ भू आवरण (56मी विभेदन, पंद्रहवां चक्र)

- नवंबर, 2018 तक खरीफ ऋतु के 2018 आंकड़ों का प्रसंस्करण पूरा हो चुका है (514 वृत्तपाद प्रसंस्कृति)।

IV. राष्ट्रीय जलविज्ञान परियोजना

- सिंधु, ब्रह्मपुत्र एवं गंगा की घाटियों हेतु ग्लेशियर की झीलों की गुणवत्ता जांच कर ली गई है (23,500 ग्लेशियर की झीलों का मानचित्रण किया गया)।

V. फसल क्षेत्र निर्धारण

- छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश एवं बाड़मेर, राजस्थान में खरीफ ऋतु की मक्का एवं बाजरे की फसलों हेतु उपग्रह सुदूर संवेदन अध्ययन पूरा किया गया।
- प्रारंभिक मूल्यांकन से 1,83,819 हेक्टेयर मक्का एवं 8,01,531 हेक्टेयर बाजरा के क्षेत्र को दर्शाता है।

VI. सीलोमीटर की स्थापना

- वायुमंडल में एयरोसोल एवं बहु मेघ परतों के संसूचन हेतु एन.ए.आर.एल., गादंकी, तिरुपति में सीलोमीटर स्थापित किया गया।

VII. जियोपोर्टल

भुवन

- **प्रगति** की 31वीं बैठक हेतु भूस्थैतिक जानकारी तैयार की गई और प्रधानमंत्री कार्यालय को मुहैया कराई गई। **भुवन-प्रगति** पोर्टल पर भूस्थैतिक जानकारी से नौ परियोजनाओं को अद्यतित किया गया था।
- वर्ष 2017 के उच्च विभेदन उपग्रह आंकड़ा दृश्यीकरण हेतु भुवन 2डी अनुप्रयोग में उपलब्ध है।

मोसडैक एवं वेदास

- फेताई चक्रवात के केंद्र, मार्ग एवं तीव्रता तथा बाढ़ के पूर्वानुमान के लिए निकट वास्तविक समय की अद्यतन जानकारी मुहैया कराई गई।
- मोसडैक गैलरी में नया स्कैटसैट-1 ब्राउज उत्पाद दृश्यीकरण को प्रचालनीकृत किया गया।

VIII. आपदा प्रबंधन सहायता कार्यक्रम:

आपातकालीन प्रतिक्रिया हेतु समेकित नियंत्रण कक्ष (आई.सी.आर.-ई.आर.):

- आवश्यकता को अंतिम रूप देने हेतु गृह मंत्रालय के डी.एम. एवं आई.एस. प्रभागों के साथ बैठकें आयोजित की गईं।
- निर्माण एवं अवसंरचना संबंधित आर.एफ.पी. मुहैया कराने हेतु प्रयास किया जा रहे है।

संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय चार्टर के लिए आंकड़ा संसाधन प्लैटफॉर्म

- वेदास पोर्टल के माध्यम से प्रोटोटाइप चार्टर संसाधन प्लैटफॉर्म विकसित करने के प्रयास किए गए।
- स्वचलित आंकड़ा अंतर्ग्रहण, दृश्यीकरण एवं संसाधन साध्य किए जा रहे हैं।

चक्रवात

- फेताई चक्रवात हेतु सेंटीनल एशिया एवं अंतरराष्ट्रीय चार्टर सक्रिय किया गया।
- आंध्रप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को दो जलप्लावन मानचित्र भेजे गए थे।

भूस्खलन

- अगस्त 2018 में बाढ़ के कारण, केरल, कर्नाटक एवं तमिलनाडु के 23 जिलों में आए भूस्खलन का माचित्रण कार्य पूरा किया गया। लगभग 1840 अतिरिक्त भूस्खलनों का मानचित्रण किया गया (कुल 6970)।

ग. क्षमता निर्माण:

श्रेणी	भागीदारों की संख्या
जैव-विविधता विशिष्टीकरण में आर.एस., जी.आई.एम. एवं जी.एन.एस.एस. अनुप्रयोग पर अल्पावधि पाठ्यक्रम	15
जैव-विविधता में आर.एस., जी.आई.एस. एवं जी.एन.एस.एस. अनुप्रयोग	42
भूस्थानिक प्रौद्योगिकियां तथा अनुप्रयोग	27

घ. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:

- इसरो तथा सी.एन.ई.एस. के बीच अंतरिक्ष भू गणित गतिविधियों तथा अनुप्रयोगों पर 02 दिसंबर, 2018 को कार्यान्वयन करार पर हस्ताक्षर किया गया।

- इसरो तथा नासा के बीच चंद्रयान-2 मिशन पर सहयोग हेतु 26 दिसंबर, 2018 को इसरो द्वारा कार्यान्वयन करार पर हस्ताक्षर किया गया तथा इसे हस्ताक्षर के लिए नासा भेजा गया।

- जाक्सा के शुक्र कक्षित्र मिशन अकात्सुकी (ग्रह-सी.) में रेडियो आच्छादन परीक्षण पर सहयोगी गतिविधियों से संबंधित इसरो-जाक्सा कार्यान्वयन व्यवस्था को और पांच वर्षों (31 दिसंबर, 2023 तक) के लिए बढ़ाया गया।

- इसरो और यूमेटसैट के बीच मौसम विश्लेषण तथा पूर्वानुमान और अन्य संबंधित क्षेत्रों में सहायता के लिए मौसमविज्ञानीय तथा समुद्री उपग्रहों से प्राप्त आंकड़ों तथा उत्पादों के आदान-प्रदान, पुन: वितरण तथा उपयोग के सहयोग पर किए गए करार को पांच वर्षों (19 जनवरी 2024 तक) के लिए बढ़ाया गया।

- 16 जनवरी से 15 मार्च, 2019 के दौरान संचालित होने वाले उन्नति प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम बैच के लिए 18 राष्ट्रों (अल्जीरिया, अर्जेंटिना, आज़रबाइजान, भूटान, ब्राजील, चिली, मिस्र, इथोपिया, इंडोनेशिया, कज़ाकिस्तान, मलेशिया, मैक्सिको, मंगोलिया, मोरक्को, म्यांनमार, ओमान, पनामा एवं पुर्तगाल) से कुल 32 अभ्यर्थियों को शार्टलिस्ट किया गया।

- दक्षिण एशिया उपग्रह के उपयोग पर मौजूदा स्थिति तथा भविष्य की आवश्यकताओं को दर्शाने हेतु इसरो ने अफगानिस्तान, बंग्लादेश, भूटान, मालदीप, नेपाल, श्रीलंका से आए तनकीकी विशेषज्ञों के साथ नई दिल्ली में 11 दिसंबर, 2018 को दक्षिण एशिया उपग्रह (एस.ए.एस.) भू खंड, अनुप्रयोग तथा उपयोग पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

2. **सी.ओ.एस. निर्णयों का अनुपालन:**

अनुपालन हेतु लंबित सी.ओ.एस. निर्णयों की संख्या	सी.ओ.एस. निर्णयों के अनुपालन हेतु प्रस्तावित कार्य योजना/ समय अवधि	अभ्युक्तियां
180/4 3942/12 3923/14 4075/1 4120/3	कार्यान्वयन के अधीन स्थिति को ई-समीक्षा के ऑनलाईन पोर्टल में समयबद्ध तरीके से अपलोड किया जा रहा है।	-

3. **तीन महीनों से अधिक के लिए लंबित "अभियोग हेतु मंजूरी" के मामलों की संख्या :- शून्य**

4. **व्यापार नियमों के लेन-देन अथवा सरकार की स्थापित नीति से अलग मामलों का ब्यौरा :- शून्य**

5. **ई-गवर्नेंस के कार्यान्वयन की स्थिति**

फाईलों की कुल संख्या	ई-फाईलों की कुल संख्या
1069	601

6. **लोक शिकायतों की स्थिति:**

महीने के दौरान निवारण की गई लोक शिकायतों की संख्या	महीने के अंत तक लंबित लोक शिकायतों की संख्या
78	267

7. **शासन तथा विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित साधनों तथा अनुप्रयोगों के प्रयोग हेतु मंत्रालय/विभाग द्वारा लिए गए विशेष उपायों पर सूचना**

- सूची अनुसार 127 (157 में से) अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी परियोजनाएं प्रगति पर है।

8. **ए.सी.सी. रिक्ति मानीटरन प्रणाली पर ए.सी.सी. के दिशा निर्देशों के अनुपालन की स्थिति।**

अंतरिक्ष विभाग से संबंधित सभी पदों के संबंध में संपूर्ण स्थिति ए.वी.एम.एस. पर अद्यतित कर दी गई है। 31.12.2018 तक रिक्ति की अद्यतन स्थिति निम्नानुसार है:

- ए.वी.एम.एस. पर प्रविष्टि हेतु आवश्यक पदों की कुल संख्या :- 19
- आज तक भरे गए पदों की संख्या :- 18
- आज तक पूर्ण रूप से रिक्त पदों की संख्या :- 0

  अतिरिक्त कार्यभार प्रबंधन के तहत कुल पदों की संख्या :- 0

- अगले 06 महीने के दौरान रिक्त होने वाले पदों की की संख्या :- 0

*****